निकट भविष्य में रोजगार की उम्मीद नहीं, आइटी क्षेत्र में है टाइट 'हैंडशेक'

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

देश में आज सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या है तो केवल रोजगार। युवा शक्ति तो है, लेकिन उनके हाथों में काम नहीं है। रोजगार की संभावना यदि तलाशी भी जाए तो निकट भविष्य में कोई उम्मीद की किरन नहीं दिखाई दे रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है आईटी क्षेत्र। विश्व पटल पर देखें तो नए प्रोजेक्ट अब देश को नहीं मिल रहे हैं। एक तरह से कहें तो आइटी क्षेत्र में 'टाइट हैंडशेक' पर काम हो रहा है। प्रोजेक्ट देने वाला और बनाने वाला दोनों ने ऐसा हाथ मिलाया है कि नए अवसरों की हाल फिलहाल में संभावना नजर नहीं आ रही है। शुक्रवार को आइआइएम रायपुर के तीसरे दो दिवसीय एचआर शिखर सम्मेलन के पहले दिन प्रो. भरत भास्कर निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने कही। इस मौके पर आर आनंद सीनियर एचआर एचसीएल टेक्नोलॉजी, संजीव सिंह भारतीय ऑयल निगम लिमिटेड मौजूद थे। उन्होने बदलती प्रकृति, अर्थव्यवस्था, रोजगार के परिदृश्य पर बात की।

आइआइएम के शिखर सम्मेलन में पहुंचे विशेषज्ञ

इन बातों पर दिया गया बल

मोबिलिटि, एनालिटिक्स, सोशल मीडिया, ऑटोनॉमस सिस्टम को समझाते हुए उसे दूसरा जीवन की उपमा विशेषज्ञों ने दी। वही दूसरे वक्ता संजीव सिंह ने आने वाले परिमाण के बारे में बात की और कहा किस कदर चीजें बदल रही हैं। उन परिवर्तनों के प्रतिकूल प्रभाव से संगठनों को बचाने के समाधान स्वरूप लोगों और प्रौद्योगिकी के बीच सही संतुलन बनाने का सुझाव दिया।

तीसरे वक्ता आर आनंद ने इसी विषय को जारी रखते हुए डिजिटलीकरण मध्यस्थ की मृत्यु के अलावा कुछ भी नहीं है जैसी कठोर बात कही। छात्रों को इस विचार के साथ छोड दिया जब मशीनें जागरूक होने लगी हैं वे बाधाएं को दूर कर सकती हैं, लेकिन ये पूरी तरह से गलत है। इस मौके पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व अन्य उपस्थित थे।

Naidunia 4th Aug 2018, P.15